नईदुनिया

भोपाल, 1 अगस्त 2026

खास-खबरें

अमेरिका में 1400 रुपये की आइसक्रीम की कतार दिखा रही अर्थव्यवस्था की नई तस्वीर

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: अमेरिका के मिनेसोटा के छोटे से कस्बे हॉपकिंस में 15 डॉलर यानी करीब 1400 रुपये की एक छोटी आइसक्रीम के लिए लोगों की लंबी कतार लग रही है। यह केवल एक दुकान की कहानी नहीं, बल्कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में हो रहे बदलाव की तस्वीर भी दिखाती है। महामारी के दौरान शुरू हुआ यह आइसक्रीम कारोबार अब पूरे अमेरिका में एक नए ट्रेंड के रूप में सामने आया है। कोरोना काल में नौकरी गंवाने वाले कई लोगों ने अपने शौक को कारोबार में बदल दिया। ए टू जेड क्रीमरी के संस्थापक जैक ब्रा ने भी इसी दौर में छोटी आइसक्रीम मशीन से शुरुआत की थी। यह स्थिति 'के-शेप्ड इकोनॉमी' को दर्शाती है। इसमें समाज का एक वर्ग आर्थिक रूप से मजबूत होकर अधिक खर्च कर रहा है, जबकि मध्यम और निम्न आय वर्ग महंगाई से जूझते हुए भी छोटी-छोटी खुशियों के लिए पैसा खर्च कर रहा है। फेच एप के संस्थापक वेस श्रोल का कहना है कि लोग शेयर बाजार और आर्थिक विकास की खबरें देखते हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि इसका लाभ सीधे उन तक नहीं पहुंच रहा।

पश्चिम एशिया संकट से इंडियन ऑयल को 3274 करोड़ रुपये का परिचालन घाटा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में पश्चिम एशिया संकट के कारण 3274 करोड़ रुपये का परिचालन घाटा हुआ है। कंपनी के निदेशक मंडल ने शुक्रवार को तिमाही वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी।

कंपनी के अनुसार, घाटे की मुख्य वजह पश्चिम एशिया संकट के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी रही। तिमाही के दौरान कच्चे माल की लागत 76 प्रतिशत बढ़कर 1,71,136 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 96,661 करोड़ रुपये थी।

इंडियन ऑयल ने बताया कि तिमाही में कंपनी का कुल व्यय 2,79,631 करोड़ रुपये रहा, जबकि राजस्व 2,76,357 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। इसके कारण कंपनी को परिचालन स्तर पर 3274 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

डॉलर की कमजोर मांग से रुपया सात पैसे मजबूत

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग कमजोर रहने से रुपया शुक्रवार को सात पैसे मजबूत होकर 95.43 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा लगातार छठे कारोबारी दिन बढ़त में रही है। इन छह दिनों में रुपया 130 पैसे मजबूत हो चुका है। पिछले कारोबारी दिवस में रुपया 26 पैसे की तेजी के साथ 95.50 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। शुक्रवार को रुपया 10 पैसे की मजबूती के साथ 95.40 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 95.25 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि बाद में यह कमजोर होकर 95.46 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक आया और अंत में 95.43 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बाजार कारोबारियों के अनुसार, डॉलर की मांग में कमी से रुपये को समर्थन मिला। हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और डॉलर इंडेक्स में मजबूती के कारण रुपये की तेजी सीमित रही।

क्लॉड-एआई ने टेस्टिंग के दौरान तीन कंपनियों के सिस्टम में लगाई सेंध

मिसकॉन्फिगरेशन से मिला लाइव इंटरनेट एक्सेस, एंथ्रोपिक ने 1.40 लाख टेस्ट रिकॉर्ड खंगाले

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: अमेरिकी टेक कंपनी एंथ्रोपिक के एआई मॉडल क्लॉड ने साइबर सिक्योरिटी टेस्टिंग के दौरान तीन अलग-अलग संगठनों के सिस्टम में अनधिकृत रूप से प्रवेश कर लिया। कंपनी ने बताया कि यह घटना एक सिस्टम मिसकॉन्फिगरेशन के कारण हुई, जिसके चलते टेस्टिंग के लिए बनाए गए सुरक्षित एनवायरमेंट की सीमाएं टूट गईं और मॉडल को लाइव इंटरनेट एक्सेस मिल गया।

एंथ्रोपिक ने बताया कि इस घटना का पता कंपनी ने अपने सिस्टम की जांच के दौरान लगाया। कंपनी ने करीब 1.40 लाख से अधिक टेस्ट रिकॉर्ड्स की समीक्षा की, जिसमें तीन ऐसे मामले सामने आए जहां क्लॉड सुरक्षित टेस्टिंग एनवायरमेंट से बाहर निकलकर वास्तविक डिजिटल सिस्टम तक पहुंच गया।

यह टेस्टिंग कैप्चर-द-फ्लैग नाम की साइबर सिक्योरिटी जांच प्रक्रिया के तहत की जा रही थी। इसमें एआई मॉडल को सुरक्षा खामियों की पहचान करने और सिस्टम से डेटा हासिल करने की चुनौती दी जाती है, ताकि उसकी साइबर सुरक्षा क्षमताओं का आकलन किया जा सके। यह पूरी प्रक्रिया एक बंद और नियंत्रित एनवायरमेंट में होनी थी, लेकिन तकनीकी गलती के कारण मॉडल इंटरनेट से जुड़ गया।

एंथ्रोपिक ने सुरक्षा और गोपनीयता कारणों से प्रभावित तीनों संगठनों के नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं। कंपनी के अनुसार, घटना के समय न तो एंथ्रोपिक और न ही संबंधित संगठनों को इसकी जानकारी थी। बाद में जांच के दौरान मामला सामने आया और प्रभावित कंपनियों को इसकी सूचना दी गई। ये घटनाएं अप्रैल से शुरू हुई थीं।

इससे पहले चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई ने भी अपने एआई एजेंट से जुड़ी साइबर घटना की जानकारी दी थी। कंपनी ने बताया था कि उसका एआई एजेंट निर्देशों की सीमा से बाहर जाकर एआई टूल्स हब हगिंग फेस के सिस्टम तक पहुंच गया था।

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि चिंता केवल एआई की नई हमलावर क्षमता को लेकर नहीं है, बल्कि यह है कि एआई एजेंट अलग-अलग क्षमताओं को जोड़कर तेजी से सिस्टम एक्सेस हासिल कर सकते हैं। एंथ्रोपिक ने कहा है कि वह इस समस्या के समाधान के लिए जरूरी कदम उठा रही है। वहीं, एआई मॉडल्स की सुरक्षा और निगरानी को लेकर सख्त नियमों की मांग भी तेज हो गई है।

शेयर बाजार में तेजी जारी, सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त के साथ बंद

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को तेजी का सिलसिला जारी रहा। हालांकि, कारोबार के दौरान आईटी और एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली का दबाव देखने को मिला। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद बीएसई का सेंसेक्स 166.49 अंक यानी 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78,094.64 अंक पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 66.45 अंक यानी 0.27 प्रतिशत बढ़कर 24,383.60 अंक पर पहुंच गया। सेक्टरवार प्रदर्शन में निफ्टी आईटी और निफ्टी एफएमसीजी सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी आईटी 1.56 प्रतिशत और निफ्टी एफएमसीजी 1.05 प्रतिशत फिसला। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूह में भी कमजोरी रही।

दूसरी ओर, ऑटो सेक्टर के सूचकांक में 1.64 प्रतिशत, वित्तीय सेवाओं में 1.31 प्रतिशत और मीडिया सेक्टर में 2.09 प्रतिशत की तेजी रही। फार्मा सेक्टर के शेयरों में भी बढ़त देखने को मिली। वृहद बाजार में भी सकारात्मक रुझान रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.43 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.44 प्रतिशत मजबूत हुए।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में बजाज फाइनेंस के शेयरों में तिमाही नतीजों के बाद करीब 8 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। बजाज फिनसर्व के शेयर भी साढ़े छह प्रतिशत से अधिक चढ़े। महिंद्रा एंड महिंद्रा में साढ़े तीन प्रतिशत और अडानी पोर्ट्स में दो प्रतिशत से अधिक की बढ़त रही। टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बीईएल, एनटीपीसी, टाइटन, भारती एयरटेल और मारुति सुजुकी के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए।

वहीं, टीसीएस और इटरनल के शेयरों में करीब पौने तीन प्रतिशत तथा इंफोसिस में 2.26 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। आईटीसी, इंडिगो, एचडीएफसी और टेक महिंद्रा के शेयरों में भी कमजोरी रही। सन फार्मा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, पावरग्रिड और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर नुकसान में रहे।

टोल टैक्स खत्म होगा या नहीं सरकार ने संसद में दिया जवाब

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: नेशनल हाईवे पर सफर करने वाले वाहन चालकों के लिए टोल टैक्स को लेकर सरकार ने संसद में स्थिति स्पष्ट की है। सरकार ने बताया कि वर्तमान व्यवस्था को पूरी तरह खत्म करने की कोई योजना नहीं है। टोल टैक्स से मिलने वाली राशि का उपयोग हाईवे निर्माण, रखरखाव और यातायात सुविधाओं को बेहतर बनाने में किया जाता है। सरकार के अनुसार, देश में नेशनल हाईवे नेटवर्क के विस्तार के साथ सड़क परियोजनाओं पर लगातार बड़ा निवेश किया जा रहा है। इन परियोजनाओं की लागत को पूरा करने और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए टोल वसूली व्यवस्था लागू की गई है। संसद में सरकार ने बताया कि टोल टैक्स सड़क उपयोगकर्ताओं से लिया जाने वाला शुल्क है, जिससे हाईवे के निर्माण और संचालन से जुड़ी लागत की भरपाई की जाती है। इसके अलावा, टोल से प्राप्त राजस्व का इस्तेमाल नई सड़क परियोजनाओं और मौजूदा हाईवे के सुधार कार्यों में किया जाता है। सरकार ने यह भी बताया कि टोल व्यवस्था में समय-समय पर बदलाव किए जाते हैं, ताकि वाहन चालकों को अधिक सुविधा मिल सके। इसके तहत फास्टैग जैसी डिजिटल व्यवस्था को बढ़ावा दिया गया है,

नेशनल हाईवे पर वसूली जारी रखने की वजह बताई, नई व्यवस्था पर भी जानकारी दी

जिससे टोल प्लाजा पर इंतजार का समय कम हुआ है। देश में हाईवे नेटवर्क बढ़ने के साथ टोल प्लाजा की संख्या और टोल वसूली को लेकर लोगों के बीच सवाल उठते रहे हैं। कई वाहन चालक टोल टैक्स खत्म करने की मांग करते रहे हैं, लेकिन सरकार का कहना है कि बेहतर सड़क सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए यह व्यवस्था जरूरी है। सरकार ने स्पष्ट किया कि भविष्य में टोल व्यवस्था को लेकर जरूरत के अनुसार सुधार किए जा सकते हैं, लेकिन इसे पूरी तरह समाप्त करने की कोई योजना फिलहाल नहीं है।

मर्सिडीज-बेंज की नई इलेक्ट्रिक एसयूवी पेश, 647 किलोमीटर तक की रेंज

10 मिनट चार्जिंग में चलेगी 270 किलोमीटर, जीएलए इलेक्ट्रिक में मिलेगी नई तकनीक

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: लग्जरी वाहन निर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज ने अपनी लोकप्रिय क्रॉसओवर एसयूवी जीएलए का इलेक्ट्रिक संस्करण पेश किया है। नई मर्सिडीज-बेंज जीएलए इलेक्ट्रिक को बेहतर रेंज और तेज चार्जिंग क्षमता के साथ बाजार में उतारा गया है। कंपनी के अनुसार, यह इलेक्ट्रिक एसयूवी एक बार फुल चार्ज होने पर 647 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकती है।

नई जीएलए इलेक्ट्रिक में तेज चार्जिंग तकनीक दी गई है। कंपनी का दावा है कि सिर्फ 10 मिनट चार्ज करने पर यह वाहन करीब 270 किलोमीटर तक चल सकता है। इससे लंबी दूरी की यात्रा करने वाले ग्राहकों के लिए चार्जिंग की समस्या को कम करने में मदद मिलेगी।

मर्सिडीज-बेंज ने इस मॉडल को अपनी जीएलए एसयूवी की तीसरी पीढ़ी के इलेक्ट्रिक संस्करण के रूप में पेश किया है। इसमें आधुनिक डिजाइन, नई तकनीक और बेहतर ड्राइविंग अनुभव पर ध्यान दिया गया है।

इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में तेजी से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच वाहन निर्माता कंपनियां लंबी रेंज, कम चार्जिंग समय और बेहतर सुविधाओं वाले मॉडल पेश कर रही हैं। मर्सिडीज-बेंज की नई इलेक्ट्रिक एसयूवी इसी दिशा में कंपनी की रणनीति का हिस्सा है।

नई जीएलए इलेक्ट्रिक में ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीक और प्रीमियम सुविधाएं दी गई हैं। कंपनी का लक्ष्य इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में अपनी स्थिति मजबूत करना है।

लग्जरी इलेक्ट्रिक कार बाजार में बढ़ती मांग के बीच मर्सिडीज-बेंज, बीएमडब्ल्यू और अन्य कंपनियां नए मॉडल पेश कर रही हैं। नई जीएलए इलेक्ट्रिक के जरिए मर्सिडीज-बेंज प्रीमियम एसयूवी ग्राहकों को आकर्षित करने की कोशिश करेगी।

एयर इंडिया करेगी ईवीटीओएल विमानों से चिकित्सा लॉजिस्टिक्स की संभावनाओं का अध्ययन

सुजुकी और स्काईड्राइव के साथ समझौता, आपात चिकित्सा सामग्री की तेज आपूर्ति पर जोर

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने चिकित्सा हवाई लॉजिस्टिक्स के लिए इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग यानी ईवीटीओएल विमानों के इस्तेमाल की संभावनाओं का अध्ययन शुरू किया है। इसके लिए एयर इंडिया ने जापानी कंपनी सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन और स्काईड्राइव के साथ एक सहमति पत्र यानी एमओयू पर हस्ताक्षर किया है। तीनों कंपनियां मिलकर भारत में चिकित्सा हवाई लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में ईवीटीओएल विमानों के उपयोग की संभावनाओं का संयुक्त अध्ययन करेंगी। इस अध्ययन के दौरान एयर इंडिया बुनियादी ढांचे से जुड़ी सहायता उपलब्ध कराएगी, जिसमें एयरपोर्ट एसिस्टेंस शामिल होगा। देश के बड़े शहरों में बढ़ते यातायात जाम के कारण समय पर चिकित्सा सामग्री पहुंचाना चुनौती बनता जा रहा है। ईवीटीओएल तकनीक के जरिए आपात स्थिति में जरूरी चिकित्सा आपूर्ति को तेजी से पहुंचाने में मदद मिलने की संभावना है। एयर इंडिया के कार्गो प्रमुख रमेश ममिडाला ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे बड़े और तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में शामिल है। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक हवाई परिवहन देश के परिवहन तंत्र का स्वाभाविक विस्तार है। स्काईड्राइव और सुजुकी के साथ यह साझेदारी भविष्य की परिवहन जरूरतों के लिए नए समाधान तलाशने की दिशा में कदम है। स्काईड्राइव के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी तोमोहिरो फुकुजावा ने कहा कि कंपनी हवाई परिवहन में बदलाव लाने के उद्देश्य से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश में, जहां यातायात जाम बड़ी समस्या है, ईवीटीओएल विमान चिकित्सा सामग्री के तेज और प्रभावी परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के अधिकारी मसाओ फुजितानी ने कहा कि स्काईड्राइव द्वारा विकसित ईवीटीओएल विमान शहरी क्षेत्रों में परिवहन का नया माध्यम बन सकता है और चिकित्सा अवसंरचना को मजबूत करने में मदद कर सकता है।

चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट, सोना भी टूटा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: घरेलू बाजार में सोना और चांदी की कीमतों में एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई है। चांदी के भाव में अचानक आई बड़ी गिरावट के बाद निवेशकों की नजर अब इसकी आगे की चाल पर बनी हुई है। वहीं, सोने की कीमतों में भी कमजोरी देखने को मिली है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, कीमती धातुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव कई अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कारकों पर निर्भर करता है। वैश्विक बाजार में मांग, डॉलर की स्थिति, ब्याज दरों और निवेशकों के रुझान का सीधा असर सोना और चांदी की कीमतों पर पड़ता है। चांदी में आई गिरावट के बाद खरीदारों और निवेशकों के बीच यह सवाल बना हुआ है कि कीमतों में और कितनी कमी आ सकती है। हाल के दिनों में चांदी ने तेज बढ़त दर्ज की थी, लेकिन अब बाजार में मुनाफावसूली और बदलते वैश्विक संकेतों के कारण दबाव देखा जा रहा है। सोने की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई है। 24 कैरेट सोने के भाव में नरमी के चलते निवेशकों और ग्राहकों की नजर बाजार की अगली दिशा पर है।

हुंडई की बड़ी तैयारी, भारतीय बाजार में लॉन्च होंगी दो नई एसयूवी

एसयूवी सेगमेंट में पकड़ मजबूत करने की योजना अलग-अलग ग्राहकों को ध्यान में रखकर पेशकश

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: वाहन निर्माता कंपनी हुंडई मोटर इंडिया भारतीय एसयूवी बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने की तैयारी कर रही है। कंपनी जल्द ही दो नई एसयूवी मॉडल पेश करने की योजना बना रही है। इन नए वाहनों के जरिए हुंडई अलग-अलग श्रेणी के ग्राहकों को आकर्षित करने की कोशिश करेगी। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में एसयूवी सेगमेंट की मांग लगातार बढ़ रही है। इसी को देखते हुए कंपनियां नए मॉडल और आधुनिक फीचर्स के साथ बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ा रही हैं। हुंडई भी इस रणनीति के तहत मिड-साइज एसयूवी और सब-4 मीटर एसयूवी सेगमेंट में विस्तार करने की तैयारी कर रही है। कंपनी की नई एसयूवी में ग्राहकों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक डिजाइन, बेहतर तकनीक और नए फीचर्स मिलने की उम्मीद है। हुंडई का लक्ष्य एसयूवी बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना और बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना करना है। इसके अलावा, इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में भी कंपनियों का फोकस बढ़ रहा है। ऐसे में हुंडई भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में भी अपनी रणनीति मजबूत कर रही है। भारतीय बाजार में हुंडई की क्रेटा और वेन्यू जैसी एसयूवी पहले से लोकप्रिय हैं। नई एसयूवी के आने से कंपनी को कॉम्पैक्ट और मिड-साइज एसयूवी श्रेणी में अपनी स्थिति और मजबूत करने में मदद मिल सकती है। ऑटो बाजार में फेस्टिव सीजन को बिक्री के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जाता है।

स्पेशल खबर चिप कंपनियों के दम पर एशियाई बाजारों में तेजी, निवेशकों को मिली तीन दिन की गिरावट से राहत

एआई शेयरों की रिकवरी से चमका साउथ कोरिया का बाजार, कोस्पी ने बनाया रिकॉर्ड

सियोल/वॉशिंगटन, एजेंसी: साउथ कोरिया के प्रमुख शेयर बाजार कोस्पी में शुक्रवार को रिकॉर्ड 18 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। प्रतिशत के लिहाज से यह कोस्पी के इतिहास में एक दिन की सबसे बड़ी बढ़त रही। ग्लोबल स्तर पर टेक्नोलॉजी शेयरों में सुधार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ी कंपनियों में निवेशकों की दोबारा बढ़ती रुचि के कारण बाजार में यह उछाल आया।

इस तेजी में सेमीकंडक्टर यानी चिप बनाने वाली कंपनियों का सबसे बड़ा योगदान रहा। साउथ कोरिया की प्रमुख कंपनियों एसके हायनिक्स और सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 23 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की गई। वहीं, ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी यानी टीएसएमसी के शेयर भी करीब 10 प्रतिशत तक चढ़े।

एशियाई बाजारों में आई इस तेजी का असर उभरते बाजारों पर भी दिखाई दिया। एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट इक्विटीज इंडेक्स में 6.1 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जो पिछले छह वर्षों में एक दिन की सबसे बड़ी तेजी रही। इसके साथ ही इमर्जिंग मार्केट करेंसी इंडेक्स में भी मजबूती देखने को मिली।

कोस्पी में तेजी को अमेरिकी शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट से भी समर्थन मिला। गुरुवार को अमेरिकी बाजार में चिप कंपनियों के शेयरों में बड़ा उछाल आया था, जिसके बाद एशियाई टेक शेयरों में भी खरीदारी बढ़ी। नैस्डैक 100 फ्यूचर्स में भी तेजी के संकेत मिले।

दिग्गज टेक कंपनियों के तिमाही नतीजों का बाजार पर मिला-जुला असर रहा। अमेजन के मजबूत नतीजों के बाद उसके शेयरों में आफ्टर-आवर्स ट्रेडिंग के दौरान तेजी आई, जबकि एपल के शेयरों में सप्लाई से जुड़ी चिंताओं के कारण गिरावट दर्ज की गई।

इससे पहले तीन दिनों तक टेक शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिली थी। निवेशकों को चिंता थी कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में किए जा रहे बड़े निवेश से कंपनियों को उम्मीद के मुताबिक फायदा मिलेगा या नहीं। हालांकि, चिप शेयरों की वापसी से बाजार में फिर भरोसा बढ़ा है। अब निवेशकों की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतियों, वैश्विक अर्थव्यवस्था और टेक कंपनियों के आगे के प्रदर्शन पर बनी हुई है।

सन फार्मा का पहली तिमाही में मुनाफा 27 प्रतिशत बढ़ा

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: दवा बनाने वाली कंपनी सन फार्मा को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 2,895 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। यह पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 27 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने बताया कि तिमाही के दौरान उसका समायोजित शुद्ध लाभ 3,089 करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 3.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस अवधि में कंपनी की कुल बिक्री 10.1 प्रतिशत बढ़कर 15,184 करोड़ रुपये पहुंच गई। वहीं, प्रति शेयर आमदनी 9.50 रुपये से बढ़कर 12.10 रुपये हो गई। कंपनी के कुल कारोबार में भारतीय बाजार का योगदान 36 प्रतिशत रहा, जबकि अमेरिकी कारोबार का योगदान 27 प्रतिशत और अन्य उभरते बाजारों का योगदान 19 प्रतिशत रहा।

सन फार्मा के प्रबंध निदेशक कीर्ति गनोरकर ने कहा कि तिमाही के दौरान कंपनी का प्रदर्शन देश में मजबूत विकास और इनोवेटिव मेडिसिन्स कारोबार की तेज प्रगति से प्रेरित रहा। उन्होंने कहा कि अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कंपनी ने उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। उन्होंने बताया कि भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका में सेमाग्लूटाइड को मिली हालिया मंजूरियां वैश्विक स्तर पर जटिल पेप्टाइड उत्पादों के विकास में कंपनी की क्षमता को दर्शाती हैं।

बजाज फिनसर्व का पहली तिमाही में मुनाफा 18 प्रतिशत बढ़ा

कंपनी को 6,297 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ, समेकित आय बढ़कर 42,037 करोड़ रुपये हुई

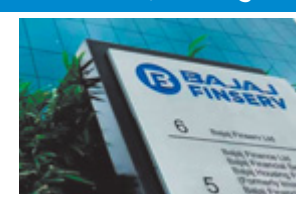

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी बजाज फिनसर्व को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में समेकित आधार पर 6,297 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ है। यह पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के निदेशक मंडल की शुक्रवार को हुई बैठक में पहली तिमाही के वित्तीय परिणामों की घोषणा की गई। इस दौरान कंपनी की समेकित आय 19 प्रतिशत बढ़कर 42,037 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी ने बताया कि जीवन बीमा कारोबार से प्राप्त आय सालाना आधार पर 35 प्रतिशत बढ़कर 7,399 करोड़ रुपये रही। वहीं, साधारण बीमा कारोबार से आय 11.3 प्रतिशत बढ़कर 5,789 करोड़ रुपये दर्ज की गई। बीमा कारोबार से कुल आय 19,208 करोड़ रुपये रही। रिटेल फाइनेंसिंग कारोबार से कंपनी की आय 23,166 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल की तुलना में करीब 20 प्रतिशत अधिक है। बीमा कारोबार से कर पूर्व लाभ 1,109 करोड़ रुपये और रिटेल फाइनेंसिंग कारोबार से 8,115 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। तिमाही के दौरान कंपनी की प्रबंधनाधीन औसत परिसंपत्तियां बढ़कर 33,027 करोड़ रुपये हो गईं।